RAJYA SABHA

Tuesday, 8th May 1956

The House met at eleven of the clock, MR. CHAIRMAN in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

ESTABLISHMENT OF MODEL AND VITAL STATISTICAL UNIT

•145. MOULANA M. FARUQI: Will the Minister for HEALTH be pleased to refer to paragraph 11 on page 9 of the Report of the Ministry of Health for 1955-56 and state:

(a) what steps have since been taken in furtherance of the scheme for the establishment of a Model and Vital Statistical Unit; and

(b)what is the expenditure proposed to be incurred on the scheme?

THE MINISTER FOR HEALTH (RAJKUMARI AMRIT KAUR) : (a) The Expert in Public Health Statistics has arrived in Nagpur and is organising the Unit.

(b) The total expenditure on the scheme spread over a period of five years is Rs. 58,000 out of which the Government of India's share is Rs. 36,000. The balance will be met by the State Government and the Nagpur Corporation.

مولانا ایم - فاروقی : کیا آنریبل منسٹر اس اسکیم کی مکھیہ مکھیہ باتوں کی جانب توجہ دلا سکتی ہیں؟

†[मौलाना एम० फारूकी : क्या आनरेबिल मिनिस्टर इस स्कीम की मुख्य मुख्य बातों की जानिब तवज्जुह दिला सकती हैं?

राजकुमारी अमृतकौर : जी हां, बात यह है कि हमारे देश में स्टैटिस्टिक्स तो बिलकुल है ही नहीं। तो हम लोग चाहते हैं कि ऐसा एक कारपोरेशन बनाया जाये, कि हम लोग म्युनिसिपल स्टाफ वगैरह को ट्रेनिंग भी दे सकें और उनको दिखा भी सकें कि किस तरह से स्टैटिस्टिक्स लेनी चाहिये। हम एक माडेल हैल्थ स्टेटिस्टिक्स आर्गेनाइजेशन बनाना चाहते हैं जहां कि जो मौतें वगैरा होती हैं उनके बारे में और उसके क्या कारण हैं उसके बारे में भी छानबीन हो सके।

مولانا ایم- فاروقی: یہ جو اعداد شمار جمع کئے جائیں گے یہ صرف مردوں کے بارے میں جمع کئے جائیں گے یا بیماریوں کے اعداد شمار بھی جمع کئے جائیں گے کہ کس طرح کیسی بیماریاں پیدا ہوتی ہیں ؟

†[मौलाना एम० फारूकी : ये जो आदादो शुमार जमा किये जायेंगे ये सिर्फ मुर्दों के बारे में जमा किये जायेंगे या बीमारियों के अदादो शुमार भी जमा किये जायेंगे कि किस तरह की बीमारियां पैदा होती हैं ?

राजकुमारी अमृतकौर : इस में बीमारियों का तो शायद नहीं होगा। जो वाइटल स्टैटिस्टिक्स कहलाये जाते हैं पैदाइश के और मरने के आंकड़े वे इसमें होंगे लेकिन कुछ बीमारियों के बारे में भी बहुत कुछ पता लग सकेगा।

INCLUSION OF UNANI, AYURVEDIC AND HOMOEOPATHIC SYSTEMS OF MEDICINB IN THE C.H.S. SCHEME

*146. MOULANA M. FARUQI: WUl the Minister for HEALTH be pleased to state whether there is any proposal to include unani, ayurvedic and homoeopathic systems of medicine in the Contributory Health Service Scheme for Central Government Servants in Delhi and New Delhi?

THE MINISTER FOR HEALTH (RAJKUMARI AMRIT KAUR) : There is no such proposal.

tHindi transliteration.

مولانا ایم- فاروقی: اگر کوئی سرکاری ملازم کسی پرائیویٹ پریکٹیشنر سے جوکہ ایلوپیتھی کے علاوہ ہومیوپیتھی - طب یا آیورویدک کی پریکٹس کرتا ہے علاج کرائے تو اُس کا جو بل ہوگا اُسے کیا گورنمنٹ قابل اطمینان سمجھے گی اور اُسے وہ دے گی ?

†[**मौलाना एम० फारूकी** : अगर कोई सरकारी मुलाजिम किसी प्राइवेट प्रैक्टिशनर से जो कि एलोपैथी के अलावा होम्योपैथी, तिब्ब या आयुर्वेद की प्रैक्टिस करता है, इलाज कराये तो उसका जो बिल होगा उसे क्या गवर्नमेंट काबिले इत्मीनान समझेगी और उसे वह देगी ?]

राजकुमारी अमृतकौर : जी नहीं, उसका खर्च उसको खुद बर्दाश्त करना पड़ेगा।

مولانا ایم - فاروقی: کیا آنریبل منسٹر اس پر غور فرما سکتی ہیں کہ کافی لوگ طب یا آیوروید یا ہومیوپیتھی کے علاج کراتے ہیں اس لئے جہاں ایلوپیتھک تریٹمنٹ کے لئے اس قسم کے سینٹروں کا انتظام ہے وہاں کیا یہ چیز زیبا نہیں ہوگی کہ اس قسم کے آیوروید اور طب کے سنٹر بھی قائم کئے جائیں یا انہیں میں ان کی ایک ایک یونٹ بڑھا دی جائے ?

†[**मौलाना एम० फारूकी** : क्या आनरेबिल मिनिस्टर इस पर गौर फर्मा सकती हैं कि काफी लोग तिब्ब या आयुर्वेद या होम्योपैथी से इलाज कराते हैं इसलिये जहां एलोपैथिक ट्रीटमेंट के लिये इस किस्म के सेंटरों का इन्तजाम है वहां क्या यह चीज जेबा नहीं होगी कि इस किस्म के आयुर्वेद और तिब्ब के सेंटर भी कायम किये जायें या इन्हीं में इनकी एक एक युनिट बढ़ा दी जाये?]

राजकुमारी अमृतकौर : जनाब देखिये, अभी भी इस योजना के ऊपर बहुत खर्च पड़ रहा है और मैं आपसे कहना चाहती हूं कि शायद ज्यादातर लोग यूनानी या आयुर्वेदिक या होम्योपैथिक इलाज नहीं कराते हैं, सब हमारे अस्पतालों में आते हैं, कभी कभी अगर कोई चला जाये तो चला जाये लेकिन अगर बच्चों की बीमारी है, औरतों की बीमारी है, सर्जरी का काम है, किसी न किसी तरह के एग्जामिनेशन का काम है, इस सब के लिये लोग हमारे पास आते हैं। उन लोगों से इतना कम लिया जाता है कि अगर कभी उनको आयुर्वेद से या होम्योपैथी से या किसी से दवाई लेने की जरूरत हो जाये तो वह उतना दे भी सकते हैं।

श्री त्रि० दा० पुस्तके : क्या इसका कोई सैंसस लिया गया है कि कितने लोग आयुर्वेदिक या होम्योपैथिक की तरफ जाते हैं ?

राजकुमारी अमृतकौर: जी हां, अगर आप हमारी इन डिस्पेंसरी में आयें और देखें कि वहां हर रोज कितने लोग आते हैं तो आपको पता चल जायेगा कि शायद ही कोई और किसी जगह जाता हो।

श्री देवकीनन्दन : यदि किसी आयुर्वेदिक अस्पताल की आपने तजवीज की हो तब तो यह पता चल सकता है कि वे लोग आयुर्वेदिक अस्पताल से दवाई लेने वाले हैं या नहीं। जब कि ऐसी कोई तजवीज ही नहीं है तो फिर यह बात कैसे कही जा सकती है ?

राजकुमारी अमृतकौर : जनाब, हमने इस बात के ऊपर बहुत गौर किया है और हमने लोगों की तादाद भी दी है जो कि,

†Hindi transliteration.

इस सिस्टम के नीचे आना चाहते हैं या दूसरे सिस्टम के नीचे आना चाहते हैं। मैं आपसे कहती हूं, कि गवर्नमेंट आफ इंडिया की पालिसी यही है कि एक ही सिस्टम के नीचे हम अपनी चीजों को चलायेंगे। अलबत्ता, अगर कोई और दूसरी जगह इलाज कराना चाहे तो उसको कोई मुमानियत नहीं है।

श्री रामेश्वर अग्निभोज : यदि किसी मरीज को आयुर्वेदिक या यूनानी दवाई से फायदा होता है और एलोपैथी की दवाई उसे सूट नहीं करती है तो ऐसी हालत में क्या सरकार उसे मजबूर करेगी कि वह उस ट्रीटमेंट को छोड़ कर एलोपैथिक ट्रीटमेंट कराये?

राजकुमारी अमृतकौर : जनाब, कोई मजबूरी नहीं है, वह जहां जाना चाहता है जा सकता है।

श्रीमती सावित्री निगम : मैं यह जानना चाहती हूं कि क्या हैल्थ मिनिस्ट्री के पास ऐसे कोई रिप्रेजेंटेशंस आये हैं जिनमें लोगों ने यह मांग की है कि उनको इस बात की भी इजाजत दी जाये कि अगर उनको यूनानी या आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट सूट करता है तो वह अपना ट्रीटमेंट उसमें कराये और जिस तरह से एलोपैथिक ट्रीटमेंट की व्यवस्था सरकार ने की है उसी तरह से उस ट्रीटमेंट की व्यवस्था भी करे?

राजकुमारी अमृतकौर : शुरू शुरू में दो चार रिप्रेजेंटेशंस आये थे, अब कोई नहीं आता है बल्कि अब तो हमारे पास खत पर खत आते हैं, जिनमें कि लोग हमें बधाई देते हैं कि उनका इलाज अच्छी तरह से हो रहा है।

श्री एस० डी० मिश्र : क्या यह बात सही है कि कांट्रीब्यूटरी हैल्थ स्कीम पार्लियामेंट के सदस्यों पर भी लागू की जाने वाली है?

राजकुमारी अमृतकौर : जी नहीं, इसमें जब्र तो नहीं है, जब्र तो किसी के ऊपर नहीं किया जा सकता है। मुझ से पूछा गया था कि क्या (Contributory Health Scheme) यहां लागू हो सकती है, तो उसके लिये मैं ने योजना बना कर भेजी लेकिन उसके बाद अभी तक मुझे कोई जवाब नहीं आया है।

श्री आर० डी० मिश्र : क्या यह बात सही है कि राज्य सभा के अधिकतर सदस्यों ने एक आवेदनपत्र राजकुमारी जी को दिया था, कि वे इसके लिये तैयार हैं कि यह हैल्थ स्कीम उन पर लागू की जाये।

राजकुमारी अमृतकौर : मुझे बताया गया है कि कोई पत्र लिखा है लेकिन मेरे पास वह नहीं पहुंचा है। मेरे ख्याल में आपके ही सेक्रेटेरियट में वह कहीं गुम हो गया होगा। वह मेरे पास नहीं पहुंचा।

DR. SHRIMATI SEETA PARMANAND: The hon. Health Minister was pleased to remark that it is the policy of the Government to adopt one system of medicine, that is, allopathy. Is she aware that in the States they adopt even Ayurvedic and the other indigenous systems of medicine? If so, what is the reason for the Central Government to stick only *to* one system of medicine?

RAJKUMARI AMRIT KAUR: It is impossible for the Central Government—because it is a question of certificates, and so on to the Government servants—to have any system other than the one that is most acceptable to the people. There is no ban on the States employing any system they like, but there too the main system is the modern system of medicine.

DUFFERIN FUND

*147. DR. SHRIMATI SEETA PARMANAND: Will the Minister for HEALTH be pleased to state:

(a) what is the exact amount of the assets of the Dufferin Fund at the disposal of India;

(b) whether any amount out of this Fund has been given to Pakistan; if so, how much;